Nav Bharat (RGL) (Industry Story) 25 October 2021 Pg.12

नवभारत
1934 से
मुंबई, सोमवार 25 अक्टूबर 2021

सोने-चांदी में तेजी के संकेत

गोल्ड ज्वैलरी की बढ़ती मांग, 170% बढ़ा स्वर्ण आयात

विष्णु भारद्वाज@नवभारत

पिछले साल 30% से 44% तक का बम्पर रिटर्न देने के बाद कीमती धातुओं सोना और चांदी ने इस साल अब तक कोई रिटर्न नहीं दिया है. विगत 10 महीनों से कीमते एक सीमित रेंज में है. मुंबई में सोना 51,600 रुपए से 44,200 रुपए की रेंज में रहने के बाद अब 47,800 रुपए प्रति दस ग्राम है. जबकि चांदी 73,200 रुपए से 59,800 रुपए की रेंज में रहने के बाद अब 65,300 रुपए प्रति किलो है. इसी तरह लंदन में सोना 1890 डॉलर से 1684 डॉलर के बीच रहने के बाद अब 1792 डॉलर प्रति औंस है. जबकि चांदी 28.07 डॉलर से 22.40 डॉलर की रेंज में रहने के बाद अब 24.30 डॉलर प्रति औंस है. इस तरह विगत 10 महीनों में अब तक सोना 6% और चांदी 3% नुकसान में है. परंतु अब भारत सहित विश्व स्तर पर हालात अनुकूल बनने से फिर तेजी का रूख बन रहा है. डॉलर के सामने रुपया कमजोर होने से आयात भी महंगा हो रहा है. भारत में चाइनीज वायरस कोरोना पर नियंत्रण होने के साथ सोने की भारी मांग निकल रही है. इसी कारण जुलाई-सितंबर के दौरान सोने का आयात 170% उछाल के साथ 288 टन रहा और अक्टूबर 2021 में 100 टन का आयात होने की संभावना जताई जा रही है, जो कि देश में भारी मांग का स्पष्ट संकेत है. विशेषज्ञों का मानना है कि सोने-चांदी की कीमतों में अब मंदी की आशंका खत्म हो चली है तथा तेजी आने के आसार ही अधिक है. हालांकि इस साल शेष दो महीनों में बड़ी तेजी की उम्मीद भी नहीं है.

इस दिवाली निवेश के लिए सही समय

सौरभ गाडगिल
अध्यक्ष,
PNG ज्वैलर्स

शॉर्ट टर्म में तो ज्यादा तेजी की संभावना नहीं है, क्योंकि विश्व स्तर पर मनी लिक्विडिटी बहुत ज्यादा होने से शेयर व कमोडिटी बाजारों में उछाल आ रहा है. जब अगले साल इनमें गिरावट आएगी तो सोना चमकेगा. इसलिए अगले एक-डेढ़ साल में अच्छी तेजी आने के प्रबल आसार हैं. तब सोना फिर 56,000 रुपए के पार हो सकता है. पिछले साल के सर्वोच्च स्तर से सोना और चांदी वर्तमान में करीब 15% सस्ते हैं. ज्यादा घटने की गुंजाइश नहीं है.

इस दिवाली नए निवेश के लिए एकदम सही समय है. इसी कारण लोगों में काफी उत्साह है तथा निवेश व ज्वैलरी के लिए सोने की मांग तेजी से बढ़ रही है. लाइटवेट और हैवीवेट, सभी तरह की गोल्ड ज्वैलरी के साथ चांदी के बर्तनों व मूर्तियों में भी काफी अच्छी मांग देखी जा रही है. अगले 6 महीने तो त्योहारी और वैवाहिक मांग काफी ज्यादा रहने की उम्मीद है. सरकार द्वारा गोल्ड ज्वैलरी में हॉलमार्किंग अनिवार्य किए जाने से ग्राहकों का भरोसा और बढ़ा है और लोग सोने में निवेश के लिए प्रेरित हो रहे हैं.

दोनों धातुओं की कीमतों में आएगी तेजी

संजय शाह
अध्यक्ष
नाइन डीएम

सोने की कीमतें पिछले 10 महीनों से एक सीमित रेंज में चल रही हैं, लेकिन अब विश्व स्तर पर बढ़ती मुद्रास्फीति और गोल्ड ज्वैलरी की बढ़ती मांग के कारण कीमतों में अपट्रेंड बन रहा है. विश्व में मुद्रास्फीति को 'हेज' करने के लिए सोना ही एकमात्र माध्यम है और सबसे सुरक्षित निवेश भी है. भारत में तो रिकार्ड वैक्सीनेशन के कारण कोरोना की तीसरी लहर की आशंका कम हो गयी है. अर्थव्यवस्था में तेजी आने के साथ शादी-ब्याह के लिए गोल्ड की भारी मांग निकल रही है, क्योंकि कोरोना के कारण बहुत सी शादियां स्थगित हो गयी थीं. अमेरिका, यूरोप व खाड़ी देशों में भी गोल्ड ज्वैलरी की अच्छी मांग निकल रही है. सोने में अब तेजी का रूख बनने का एक कारण यह भी है कि रूस, चीन, सिंगापुर सहित कुछ देशों में कोरोना का खतरा फिर बढ़ने लगा है. इसलिए अगले कुछ महीनों में सोना ग्लोबल मार्केट में 1850 डॉलर और भारत में 49,000 रुपए तक जा सकता है. चांदी भी 72,000 रुपए तक जाने की उम्मीद है. ज्यादा गिरावट की कोई आशंका नहीं है. लॉन्ग टर्म निवेश के नजरिए से मौजूदा स्तरों पर सोना और चांदी में निवेश करना फायदेमंद होगा.

ज्वैलरी इंडस्ट्री फिर ग्रोथ ट्रैक पर

सुमित शाह
उपाध्यक्ष
रेनेसन्स ग्लोबल लि.

गोल्ड कीमतों का आउटलुक लगातार बुलिश बना हुआ है. साथ ही कोविड महामारी का संकट झेलने के बाद इंडियन ज्वैलरी इंडस्ट्री अब फिर ग्रोथ ट्रैक पर लौट आई है. देश में रिकार्ड वैक्सीनेशन किए जाने से कोविड को कंट्रोल करने में सफलता मिली है. रिटेल उपभोक्ताओं में फिर उत्साह का संचार हो रहा है, जिससे हमें आगामी फेस्टिव व मैरिज सीजन में काफी अच्छी मांग निकलने की उम्मीद है. अमेरिका के आर्थिक आंकड़ों और विश्व स्तर पर बढ़ती महंगाई के कारण आगामी महीनों में गोल्ड कीमतों में तेजी आने की संभावना लग रही है. उपभोक्ताओं के हॉलमार्क युक्त ब्रांडेड ज्वैलरी के प्रति बढ़ते रूझान के चलते देश में ग्रोथ तेज होने की उम्मीद है. ग्लोबल ज्वैलरी इंडस्ट्री में 2025 तक 3-4% की वार्षिक ग्रोथ का अनुमान है. जबकि ब्रांडेड ज्वैलरी सेगमेंट में 8-12% ग्रोथ आने के आसार है. वर्तमान में पूरी इंडस्ट्री में ब्रांडेड ज्वैलरी की हिस्सा 18% है, जो वर्ष 2025 तक 25-30% यानी 100 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है.